# प्रतिदर्श प्रश्नपत्र
## 2023
## हिन्दी (101)

समय : 3 घण्टे] **पूर्णांक : 80**

**निर्देश :**

**(i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डो में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।**

**(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।**

**खण्ड – अ**

**प्रश्न 1–** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10

शान्ति, सद्भावना, सदाशयता एवं परहित निंरतरता आदर्श समाज के प्रमुख गुण हैं। भारतीय मनीषियों एवं महापुरुषों ने इन मानव सुलभ विशेषताओं पर सदैव विचार व्यक्त किया है। समाज सही अर्थो में समाज बना रहे इसके लिए उसके प्रत्येक घटक, प्रत्येक व्यक्ति को हितभाषी, मितभाषी और ऋतभाषी बने रहने के लिए निर्दिष्ट किया गया है। विश्व का प्रत्येक धर्मग्रन्थ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस ओर संकेत करता है। सही बोलने कम बोलने और भली बात करने से प्रत्येक व्यक्ति को उसका आदर्श रूप प्राप्त हो जाता है। ऐसा होने पर किसी भी देश में कलह के लिए कोई स्थान नहीं रह जाता है। परन्तु हाल के कुछ वर्षो में हमारे देश में भय, संदेह, भ्रम, एवं आतंक के भावों को जन्म देने वाले तत्वों ने अपना निलय बना लिया है। समस्त नैतिकता को दरकिनार कर इन सबने राजनीति, धर्म एवं सभा–गोष्ठियों में अपना अस्तित्व कायम कर रखा है। हमें अपने देश को सुरक्षित रखने के लिए सदैव अपनी ग्रीवा को उन्नत रखते हुए दो–दो हाथ करते रहना पड़ेगा।

क– आदर्श समाज के प्रमुख गुण क्या है ? 02

ख- विश्व का प्रत्येक धर्मग्रन्थ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्या संकेत करता है ? 02

ग- हमारे देश को अशांत करने के लिए किन–किन तत्वों ने क्या–क्या करना चाहा ? 02

घ- हमें अपने देश को सुरक्षित रखने के लिए क्या करना चाहिए ? 02

ङ- उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 02

**प्रश्न 2–** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 08

क– उत्तराखण्ड के लोक पर्व

ख- नशाखोरीः एक सामाजिक कलंक

ग- प्रदूषण की समस्या

घ- राष्ट्रीय एकता

Downloaded from cclchapter.com

**प्रश्न 3–** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 05+05=10

क–कोरोनाः एक वैश्विक महामारी अथवा अपने विद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक रिपोर्ट (प्रतिवेदन) तैयार कीजिए। 05

ख- 'सूचना का अधिकार–2005' अथवा 'मोबाइल एक मुसीबत अनेक' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए। 05

**प्रश्न 4–** निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 05

मै निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ ,
मै निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ ;
है यह अपूर्ण संसार न मुझकों भाता
मै स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।
मै जला हृदय में अग्नि दहा करता हूँ,
सुख–दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ ;
जग भव सागर तरने को नाव बनाए,
मै भव मौजों में मस्त बहा करता हूँ।

**क–**कवि के हृदय में इस जग के लिए कैसे उपहार हैं ? 02

**ख-**कवि ने संसार को अपूर्ण क्यों कहा है ? 02

**ग-**कवि और कविता का नाम लिखिए। 01

**अथवा**

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी' ?
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअतः
साँकरे सबै पे राम रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दबाई दुनी दीनबन्धु।
दुरित दहन देखि तुलसी हहा करी।।

**क–**जीविका विहीन लोगों की कैसी दशा हो रही है ? वे परस्पर एक–दूसरे से क्या बातें कर रहें हैं ? 02

**ख-**वेद पुराणों में क्या कहा गया है ? 02

**ग-**पद्यांश किस पाठ से लिया गया है ? लेखक का नाम भी लिखिए। 01

**प्रश्न 5–** प्रस्तुत पद्यांश पढ़कर उसका भाव सौन्दर्य लिखिए। 02

आँगन में ठुनक रहा है जिदयाया है
बालक जो हइ चाँद पै ललचाया है
दर्पण दे के उसे कह रही है माँ

Downloaded from cclchapter.com

देख आईने में चाँद उतर आया है।

**प्रश्न 6**–निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 02+02=04

**क**–भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या अभिप्राय है ?

**ख-**'विप्लव रस से छोटे ही हैं शोभा पाते' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

**ग-**'रस का अक्षयपात्र छोटा मेरा खेत चौकोना' से कवि का क्या आशय है ?

**प्रश्न 7**– निम्नलिखित गद्यांशो में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 06

**i**– पैसा पावर है। उसके सबूत में आस–पास माल–टाल न जमा हो तो वह खाक पावर है। पैसे को देखने के लिए बैंक–हिसाब देखिए, पर माल–असबाब मकान कोठी तो अनदेखे भी दिखते हैं। पैसे की उस पर्चेजिंग पावर के प्रयोग में ही पावर का रस है।

लेकिन नहीं। लोग संयमी भी होते हैं वे फिजूल सामान को फिजूल समझते हैं। वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुद्धिमान होते हैं। बुद्धि और संयमपूर्वक वह पैसे को जोड़ते जाते हैं। वह पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग के परीक्षा की दरकार उन्हें नहीं हैं। बस खुद पैसे के जुड़ा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है।

**क**–संयमी लोग पैसे के विषय में क्या सोचते हैं ? 02

**ख-** बुद्धिमान कौन होते हैं ? 02

**ग-** पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 02

**ii**– जाति–प्रथा कों यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रूचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम–श्रमिक –समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धान्त के विपरीत जाति–प्रथा का दूषित सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता–पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है

**क**– जाति–प्रथा में क्या दोष है ? 02

**ख-** लेखक जाति–प्रथा को स्वाभाविक श्रम विभाजन क्यों नहीं मानता है ? 02

**ग-** प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है, पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। 02

**प्रश्न 8**– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 02+02=04

**क**–'भक्तिन अच्छी है यह कहना कठिन होगा' क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं– कथन के आधार पर भक्तिन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

**ख-**'पानी दे गुड़धानी दे' मेघों से पानी के साथ–साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है?

**ग-**लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा है ?

Downloaded from cclchapter.com

**प्रश्न 9–** निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 01+01+01=03

**क–** सिल्वर वैंडिग से क्या आशय है ?

**ख-** जूझ पाठ के लेखक का नाम बताइए।

**ग-** सिन्धु घाटी की खुदाई किसके निर्देशन में हुई ?

**घ-** सिन्धु घाटी की सभ्यता के अजायबघर में कौन–कौन सी वस्तुएँ प्रदर्शित हैं ?

**प्रश्न 10–** सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी पर उसमें भव्यता का आडम्बर नहीं था, कैसे ? विस्तारपूर्वक समझाइए। 04

**अथवा**

जूझ कहानी के आधार पर बताइए कि लेखक के मन में स्वयं कविता लिखने का आत्मविश्वास कैसे पैदा हुआ ?

**प्रश्न 11–** निम्नलिखित गद्यांश पठित्वा केवलं त्रीणि प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत–

( निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में पूर्ण वाक्य में दीजिए )

01+01+01=03

पण्डितगोविन्दबल्लभपन्तस्य प्रारम्भिकी शिक्षा तस्य मातामहस्य श्री बद्रीदत्तजोशीमहोदस्य गृहे स्थित्वा अभवत्। तस्य मातामहः कस्यचित् आंग्लअधिकारिणः प्रमुखः सहायकः आसीत्। पण्डित गोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा शिक्षायाः प्रसिद्धे केन्द्रे प्रयागनगरे सम्पन्ना अभवत्। प्रयागनगरे सः श्रेष्ठराजनीतिज्ञानां सम्पर्के आगच्छत्। ततः एव तस्य राजनीतिकं जीवनम् आरब्धम्। विधिशिक्षायाः अध्ययनानन्ते सः अधिवक्तृरूपेण् जीविकापार्जनम् आरब्धवान्। समाजोत्थानाय विविधानि कार्याणि कुर्वन सः जीवनस्य उच्चशिखरं प्राप्तवान्। आरम्भकाले तस्य राजनैतिकं क्षेत्रं उत्तराखण्डमेव आसीत् परं शनैः शैनेः तस्य व्यक्तित्वस्य प्रभावः राष्ट्रव्यापी अभवत्।

**क–** पण्डितगोविन्दबल्लभपन्तस्य प्रारम्भिकी शिक्षा कुत्र अभवत् ?

**ख-** आरम्भकाले तस्य राजनैतिकं क्षेत्रं किम् आसीत् ?

**ग-** अध्ययनानन्ते सः किम् अकरोत् ?

**घ-** तस्य मातामहः कः आसीत् ?

**प्रश्न 12–** अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा त्रीणि प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत–

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः।
यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मानाम्। 03

**क–** विपदि किं भवेत् ?

**ख-** महात्मनां गुणाः के भवन्ति ?

**ग-** वाक्पटुता कुत्र भवेत् ?

**घ-** महात्मनः युद्धे किं प्रदर्शयन्ति ?

Downloaded from cclchapter.com

**प्रश्न 13–** अधोलिखितप्रश्नेभ्यः चत्वारि प्रश्न् संस्कृतभाषायां पूर्ण वाक्येन उत्तरत– 2x4=8

**क–** कक्षाप्रमुखा का अस्ति ?

**ख-** लघुकाय मण्डूकस्य साफल्यस्य कारणं किम् आसीत् ?

**ग-** गोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा कुत्र सम्पन्ना अभवत् ?

**घ-** अरूणाचलप्रदेशे रूपग्रामे कौ निवसतः स्म ?

**च-** सर्वत्र मन्त्रशालायां के भवन्ति ?

**छ-** चौराबारी सरोवरः कुत्र स्थितः अस्ति ?

**प्रश्न 14–** अधोलिखितेषु पदेषु चत्वारि पदानि चित्वा तेषां वाक्यरचना संस्कृतभाषायां कुरुत– 01+01+01=03

[प्रातः, पश्यामि, पठति, पृच्छति, सदैव, कन्दुकेन]

**प्रश्न 15–** अधोलिखितानां प्रश्नानां निर्देशानुसारमुत्तरत – 03

**क–** समासविग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत

(समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)

गजाननम् अथवा नीलकमलम् 01

**ख-** विभक्ति निर्देशं कुरूत (विभक्ति कीजिए)

रामेण अथवा बालकाः 01

**ग-** सन्धि विच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)

लम्बोदरः अथवा सदाचारः 01

**प्रश्न 16–** अस्मिन प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दीभाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 04

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

Downloaded from cclchapter.com

Downloaded from cclchapter.com